

# राजा मसीहा द्वारा बारह का प्रशिक्षण

यह खंड उनके सार्वजनिक मंत्रालय के तीसरे फसह से लेकर २९ ईस्वी में सुकोट के त्योहार तक को कवर करता है। इस अवधि के दौरान मसीहा ने चार अलग-अलग मौकों पर अन्यजातियों की सेवा की (यहूदी सामरी लोगों को आधी नस्ल का मानते थे और उन्हें पूरी तरह से घृणा की दृष्टि से देखते थे)।

१. **Bz** - सामरिया में यीशु की स्वीकृति
२. **Fg** - यीशु ने राक्षसों से ग्रस्त दो व्यक्तियों को ठीक किया
३. **Ft** - एक कनानी महिला का विश्वास
४. **Fu** - यीशु ने एक मूक बधिर को ठीक किया और चार हजार लोगों को खाना खिलाया

यीशु मसीह अपने प्रेरितों को उस मिशन के लिए प्रशिक्षित कर रहे थे जिसे वे प्रेरितों के काम की पुस्तक में पूरा करेंगे। ये निर्देश महान महासभा द्वारा उनकी अस्वीकृति का प्रत्यक्ष परिणाम थे (देखें **Eh** - यीशु को महासभा द्वारा आधिकारिक तौर पर अस्वीकार कर दिया गया है)। येशुआ जानता था कि उसकी मृत्यु निकट है और वह अब उन लोगों को तैयार करता है जो बाद में आगे बढ़ेंगे।